



AMBIENCE
the new standard

AMBIENCE
CREACIONS

THE FINAL
STRETCH

THE FINAL CALL TO TIMELESS LIVING

— READY TO MOVE-IN —

3/4 BHK APARTMENTS & PENTHOUSES
WITH 51+ AMENITIES

STARTING FROM ₹5.95 CR*

📍 SECTOR 22, GURUGRAM

📞 9717003006



450+ POSSESSIONS
GIVEN AND FAMILIES RESIDING

[illegible]

bioRxiv preprint doi: <https://doi.org/10.1101/2020.05.14.243440>; this version posted May 14, 2020. The copyright holder for this preprint (which was not certified by peer review) is the author/funder, who has granted bioRxiv a license to display the preprint in perpetuity. It is made available under aCC-BY-NC-ND 4.0 International license.



मोनालिसा शर्मा
फेमिली और
टीनएज
काउंसलर

अगर आपको बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर काफी दिनों से कोई नई पोस्ट नहीं दिख रही है तो यह मानकर खुश न हो जाए कि वे मोबाइल के इस वर्चुअल वर्ल्ड से दूरी बना रहे हैं। दरअसल, वे सोशल मीडिया यूज करने के अपने तौर-तरीके अपना चुके हैं। वे अंडे यानी जैटफॉर्म बदल रहे हैं। कुछ रिपोर्टर और ट्रेड में जिसे Gen-Z की सोशल मीडिया से दूरी बताया जा रहा है, असल में वह क्या है? कौन-से हैं उनके सीक्रेट अंडे, इसी बारे में बता रहे हैं वरुण आनंद



Posting Zero नहीं, सिर्फ अंडा बदला Gen-z ने नहीं छोड़ा सोशल मीडिया

हाल में 50 देशों के 2.5 लाख सोशल मीडिया यूजर्स पर किए गये की रिपोर्ट सामने आई। जिसमें बताया गया कि सोशल मीडिया यूज 10% तक गिर गया है। हंगन करने वाले बात यह रही कि सभी नया गिनाइत उन युवाओं में शामिल है, जिनके लिए सोशल मीडिया उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा है। रिपोर्ट में इसकी वजहें विज्ञापन, कमी न खम होने वाली वैनस और AI-नलेटिड काउंटेड और बाई हैं। हमने नम कुछ एक्सपर्ट्स, रिपोर्ट और Gen-Z (1997 से 2012 के बीच जन्मे पीढ़ी) से बात की तो कई अहम बातें सामने आईं। जैसे- उनकी पोस्ट कम नहीं हुई, बस जगह बदली है। स्पॉन्सिंग टाइन कम नहीं हुआ, बस सोशल मीडिया को यूज करने का तरीका बदला है।

पोस्ट न करने की बात बिलकुल गलत
16 साल के कबीर का कहना है कि Posting Zero की बात बिलकुल गलत है। हम अब भी सोशल मीडिया पर उतरे ही पोस्ट करते हैं। इंस्टाग्राम पर निस पोस्ट में Posting Zero टैग की बात कही गई है, उसे 200 लाइक भी नहीं मिले। फिर कोई कितने कह सकता है कि हम सोशल मीडिया से दूर हो रहे हैं? असल में हम हमारी प्रोफाइल पर दिखने वाली पोस्ट पोस्ट करने मुश्किल पोस्ट की नारा इंस्टाग्राम स्टोरी नया पोस्ट कर रहे हैं। जो 24 घंटे में गायब हो जाती है। जो स्टोरी बहुत प्यारे हो, उसे हाइलाइट करते हैं। हा, वह भी सच है कि किसी-किसी के अकाउंट पर चिरो पोस्ट भी होती। मेरे कई फ्रेंड्स कुछ इस टैग पर चलते हैं। इस तरह वे यूज को फूल और डिस्टर्बेस (रहस्यमयी) दिखते हैं। कुल मिलाकर हमारा Aura (माहौल) बदल रहा है। जिस चीज से हमें Vibe (अच्छी फीलिंग) मिलती है, हम वही करते हैं। अगर कुछ समय बाद हमें किसी और चीज से Vibe मिलेगी तो हम वही मुड़ जाएंगे।

एक नहीं, अब हैं 3-3 अकाउंट्स
मने ही यह लग रहा हो कि Gen-Z सोशल मीडिया पर कम पोस्ट करते हैं, लेकिन अब वे इस पर ज्यादा फोकस तरीके से पोस्ट करते हैं। अब उनके एक नहीं, 3-3 अकाउंट्स हैं। एक पेरेंट्स और फेमिली के लिए, दूसरा फ्रेंड्स और तीसरा एडम्टम अकाउंट्स लेने के लिए। वे अपनी अकाउंट बहुत स्मार्ट तरीके से हैटल करते हैं। फेमिली अकाउंट में अपने फ्रेंड्स को ब्लॉक रखते हैं, जिनके उनके फ्रेंड्स उनके बचपन को कोई पुरानी फोटो या पोस्ट देखकर मजाक न उठा सके। फ्रेंड्स वाले अकाउंट पर सिर्फ दोस्ती वाली बातें और फोटो शेयर करते हैं और इस अकाउंट से पेरेंट्स और फेमिली को ब्लॉक रखते हैं। जहाँ, तीसरा अकाउंट उनकी बड़प्पन निबालने के लिए होता है। यहाँ वे फेक नाम से पोस्ट शेयर करती हैं और फेमिली के बारे में कुछ भी पोस्ट नहीं करते। इसके पीछे उनकी सोच यह है कि अगर आप वे किसी प्रमाण पर पढ़ें जहाँ ज 'जोब के लिए अकाउंट करें तो उनकी डिजिटल रिट्रिटी में कुछ भी खराब न मिले।

पैरेंट्स याद करें Orkut, FB
अगर हमें लगता है कि Gen-Z कुछ अलग कर रहे हैं तो सच तो कुछ सोच पड़े तो जाकर उस दौर को याद करें। मिलेनियम (1981 से 1996 के बीच जन्मे लोग) की ऐसी कर चुके हैं। बस तबका अलग था। 2004 में जब Orkut अया ले वह एकदम अलग ही दुनिया थी। लेने में वह जेन था कि सभी सोशल मीडिया पर कनेक्ट हो जाए। अया सब कुछ शेयर कर दूसरी को बताने की होड़ थी और फिर फेसबुक यानी FB अया। इसके बाद जिस तेजी से लोग FB को अपडेट हुए, उसके चलते कभी सरनी की दुनिया रहा Orkut, अतीत बन गया। FB नया प्लेटफॉर्म था और नाल ही वहाँ बीट बढ़ने लगी। पेरेंट्स, फेमिली के मेबर आदि सब FB पर दिखने लगे। अया धूमना-किराना आदि सब कुछ शेयर करने लगे। लेकिन शेयर, लाइक और कमेंट इस हद तक बढ़ा कि लोग उन्नी लेने। कई Gen-Z तो आज इसे डेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मानने लगे हैं।

घर वाले भी दे रहे पर्सनल स्पेस
15 साल के अरुण की माँ मैनाबी ऐसी माँ हैं जो बेटे की लाइफ को अच्छी तरह समझती हैं। वह उसमें ज्यादा दखल देने से बचती हैं। मैनाबी कहती हैं कि हाँ, मैं जानती हूँ कि मेरे बेटे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग अकाउंट्स हैं। वह फेमिली और फ्रेंड्स को अलग रखती हैं। मैं एक समय तक ही इसे समझा सकती हूँ। उसके साथ नया टैग नंबरदनी का नया दखलदानी नहीं कर सकती। अगर ऐसा किच तो वह जितनी भी मुझे शेयर करती है, उसकी भी नहीं करती। जितनी बातें मेरे मनता है, उसकी भी नहीं मनेगा। अरुण का समय बच्चे की पेरेंट्स बनकर नहीं, फ्रेंड्स बनकर चलने का है। हमें उनके पर्सनल स्पेस का ध्यान रखना चाहिए और उनकी इजाजत करनी चाहिए। तभी वे हमारी बात सुनेंगे और नया बातें शेयर करेंगे।

ये हैं Gen-Z के सीक्रेट अंडे

फेसबुक से जब बहुत-से लोग दूर होने लगे तो वे डिस्टर्ब (अब X) पर आ गए। फिर कुछ हुआ डिस्टर्ब का फ्रेम। मिलेनियम तो यहाँ पर नहीं है लेकिन अपने पेरेंट्स और फेमिली मेबरों की बीट से बचने के लिए Gen-Z ने अपने लिए नए प्लेटफॉर्म शुरू तलाशने शुरू कर दिए। उनके कुछ ऐसे ही प्लेटफॉर्म ये हैं, जहाँ अकाउंट वे ज्यादा पोस्ट करते हैं।

1. Snapchat: यहाँ पोस्ट और स्टोरी बहुत फिट जाती हैं, जिससे Gen-Z को ज्यादा प्रोड्यूस मिलती है। साथ ही लड़कियाँ फोटो और कांटेड स्टोरी में नहीं।
2. Reddit: यहाँ अपनी पोस्ट की कमेंटिटी में शामिल हो सकते हैं। पढ़ाना बताना किन्हीं से भी कोई भी डिस्कशन फोरोम और कांटेड शेयर कर सकते हैं।
3. Discord: यहाँ अपने दोस्तों के ग्रुप बना सकते हैं, जिसके नियम भी अपने होते हैं और कंट्रोल भी अपना। कनेक्ट यूज पर लाइव चैट, वॉयस चैट कर सकते हैं।
नोट: इनके अलावा और भी ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जिनके बारे में Gen-Z के पेरेंट्स को नहीं पता और अगर पता भी है तो वे भी बच्चे को जलाना का खयाल नहीं करते।

इनके शिफ्ट होने की एक नहीं, कई हैं वजहें

Gen-Z के सोशल मीडिया को यूज करने के तरीके और प्लेटफॉर्म को शिफ्ट करने की कई वजहें हैं। Gen-Z अब ज्यादा जलकर हो गए हैं। उन्हें सोशल मीडिया पर यूज को कुल डिजिटल, अपनी लाइव पर ज्यादा लाइक और कमेंट लेने में डिस्टर्ब नहीं है। वे कैसे पोस्ट रहे हैं, उससे उन्हें कंफ नही पड़ता। वे फास्ट हैं कि हम जैसे हैं, दुनिया हमें कैसे हो रही है। वे इनके जलकर हैं कि अपना डिजिटल फुटप्रिंट तक नहीं छोड़ना चाहते। साथ ही वे अपनी लाइव पर्सनल नहीं करना चाहते। वे जानते हैं कि आज वे जो कुछ शेयर करेंगे, वल को उसका असर उनकी उस समय की रिटेलेशनशिप पर पड़ेगा। इसके अलावा इस बदलाव की और भी कई वजहें हैं। जैसे-

1. धक चुके हैं: Gen-Z किसी भी चीज से बहुत जल्द बोर हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर एक जैसे काम नहीं चलती, लाइक, कमेंट्स देखना आदि करके अब वे थका चुके हैं।
2. खुद को जग नहीं करने देना चाहते: वे नहीं चाहते कि कोई उनके जग करे। इसलिए अब उन्होंने लाइक, कमेंट, शेयर छोड़ दिए हैं। वे इसके पीछे नहीं मनेगे।
3. एगोरिथम से बुरा नहीं मिल रहा: एक ऐसा ऑल्गेथम पोस्ट होने की वजह से अकाउंट्स व जूरे प्लेटफॉर्म की एगोरिथम ने उन्हें बुरा करना बंद कर दिया है।
4. मेहनत नहीं करना चाहते: सोशल मीडिया पर Aesthetic कौन्टेड अब ज्यादा चल रहा है। उसे देख कर के लिए ज्यादा मेहनत की जरूरत होती है। Gen-Z इससे बचना चाह रहे हैं।
5. क्लम टच की जगह AI और बॉट्स: सोशल मीडिया पर Gen-Z क्लम टच यानी लेम्मे से बालवीन के लिए आए थे, लेकिन AI और बॉट्स ने अब क्लम टच कम कर दिया है।



'बच्चों से कुछ न छुपाएं' वे हर चीज खुलकर देख-पढ़ रहे हैं'

Q सोशल मीडिया से आजकल हर माता-पिता परेशान है। पेरेंटिंग पर उनकी राय क्या है?
अगर नहीं तो जल्दी, सोशल मीडिया आपके पीछे-पीछे आएंगे तो इसे हटाना जरूर होगा। जैसे मेरी बेटी अया, हाइडल से मॉनिटरिंग में रहती है। नम वह पर आती है तो उसकी माँ उसे फोन दे देती है। मैं यही कहना कि बैन न करें, नजर रखें। जितना आप उन पर शेक-योक लगाएंगे, उतना वे आपसे छुपते जाएंगे। पेरेंटिंग का ये सिद्धांत है, वह शब्दना (पाने) बहुत अच्छे से जानती हैं। अब कोई बात बहर किसी दुसरे से सुने और अमर्याम में पाए, इसमें पहले ही उसकी माँ वे तबका बताने उसे बता चुकी होती है। बच्चे के सब आपकी मुलुकर बात करनी पड़ेगी। इस सम्बन्ध में वे सब पेरेंटिंग के अलावा लगातार मॉनिटरिंग की भी जरूरत होती है। बच्चे का डिमांड नम तक विवसिन न हो तब तक उसे संभावना रखना माता-पिता की जिम्मेदारी है। अगर बच्चे से चीजें छुपाए नहीं। उसे चाहे ऐसा नैमे पूरे पर बात करनी हो या हाइडल पर या ऑनलाइन टूट पर, हर विषय पर उससे मुलुकर बात करें। उसे हर चीज के बारे में बताएं क्योंकि वे हर चीज देख-पढ़ रहे हैं। अब किसी से कुछ भी छुपा ले, माता माँ से कुछ नहीं छुपाते।

'मुंबई का किंग कौन' यह डायलॉग बोलने वाले एक्टर मनोज वाजपेयी साबित कर चुके हैं कि वह अभिनय के मामले में किंग हैं। उन्हें 4 बार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। इस मुलाकात में उन्होंने करियर, पेरेंटिंग और जिंदगी के सबक पर खुलकर बात की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश:

अब कुछ नया मिलने वाला नहीं होता। समय बदल, चीजें बदली, समाज बदल और हट्टोटी भी लगातार बदलती गई। अब AI जिस रस्ता से आ रहा है, वह बहुत कुछ बदल रहा है। मेरी एक आदत रही है, बदलते वक़्त के साथ खुद को बदलना। बदलाव के साथ तालमेल बनाकर अगे बड़ना और अपना काम करना। इसी में बेतराफ करने की कोशिश करना है, तब तक नहीं छोड़ी के साथ कामना बननी रहे। अगर किसी चीज में मैं बुरा हूँ तो मैं उसके लिए किसी को हारकर बन लेता हूँ।

Q क्या आप अपनी बेटी सोरील के डाइटल की तरह असल जिंदगी में भी फेमिली में हैं?
(हंसे हुए) वह और से बड़ा बच्चा। मेरी पत्नी ने मुझे दिया है कि आपको तुलना देनी कि वह बिलकुल गलत बात है। मैं शूटिंग पर रहता हूँ तो मुझे सिखाते हैं कि सिस्टीमल चलता रहता है। पर हाँ, नम काम नहीं कर रहा होता तो पूरा समय घर पर बिताता हूँ। जब 10-15 दिन बाद ही मेरी पत्नी और बेटी करने लगती हैं कि अब आप शूटिंग पर काम न छोड़ें? पर पर लकड़वा तौर नहीं करती हैं। (हंसे हुए) मुझे परिवार के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है। परिवार जानता है कि मुझे काम से विवसिन प्रेम है। उम्र के साथ शरीर थोड़ा सब नही होता, मगर शूटिंग करने में अब भी डरने की बुराई मिलती है। हाँ, शूटिंग के बाद परिवार साथ रहना अच्छा है। मैं कभी विवसिन से शूटिंग काम और परिवार नम हो तो मुझे थोड़ा बुरा लगता है कि वे इस तरह को मेरे साथ अनुभव नहीं कर पा रहे।

Q फिल्म 'साया' में आपलॉग हैं- 'मुंबई का किंग कौन' यह पॉपिंग आपको कब आई?
सच कहूँ तो आज तक नहीं आई। मैं हमेशा से अध्यात्मिक रहा हूँ और जानता हूँ कि हर फिल्म, हर किरदार की एक एसायरी डेट होती है। वह जो कामकाज कहलती है, वह भी एसायरी डेट के साथ आती है। अच्छे दौर की आते हैं और बुरे भी। कोई भी फेज हमेशा एक जैसा नहीं रहता। इसलिए मुझे कभी नहीं लगता कि मैं कहीं 'पूछ' गया हूँ क्योंकि मैं कहीं पहुँचने निकला ही नहीं था। मैं तो बस एक सपने के साथ चल रहा हूँ कि अभिनय के नाम में जाना जाऊँ और अभिनय से ही रोने-रोटी कमऊँ। नम पहला फेज मिल था, वही मेरी आसली पसलता थी। आज काम की तारीफ मिलती है तो अच्छा लगता है, कुछ काम कम सपोर्ट जते हैं और कुछ तो लोगों को पता ही नहीं चलते, जैसे 'गली गुली' में, जो मेरा सबसे अच्छा काम था।

Q जिंदगी के आपके सबक क्या हैं?
मुझे लगता है कि किसी दूसरे को अपनी जिंदगी का निर्धारण न करने दें। आपको लेकर उनकी राय लगाकर बदलती रहती हैं। आपको खुद के और अक्सर के लोगों के अलगाव को नहीं जानना। यही जानना है कि मैं हर अभिनेता से यह कहता हूँ कि दुनिया में वे पढ़े मत। अगर वह शूटिंग बुरा था तो मैं अपना अलगाव और फिर आपके बारे में उनकी राय बदल जाएगी। इसलिए लोगों की राय पर अपना जीवन न चलाएँ। जो मन में हो करी करे, पर वह नजर देनी कि उससे किसी दूसरे को तकलीफ न हो।

Q किसी चीज को खोने का दुख है?
हमेशागत तौर मेरे खोने का है, माता-पिता का साथ। मैं 9 साल की उम्र में हाइडल चला गया था और तब से उनके साथ रह ही नहीं पाया। फिर दिल्ली चला गया जिन्हा के राह में थे। जब वे दिल्ली लगे, तब तक मैं मुंबई आ चुका था। जब आप ऐसे वाज पर निकलते हैं तो इस तरह के त्याग के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

किसी वारदात के बाद 112 डायल करना क्यों है जरूरी?

कानून हमारी सुरक्षा और मदद के लिए बनाया गया है, लेकिन किसी परेशानी के समय बहुत-से लोग समझ नहीं पाते कि इसका सही इस्तेमाल कैसे करें। वे पुलिस या कोर्ट का नाम सुनते ही घबरा जाते हैं और उनसे दूरी बना लेते हैं, जबकि ये हमारी मदद के लिए ही हैं। अगर हमें अपने अधिकारों और कानूनी प्रक्रियाओं की सही जानकारी हो तो कई मुश्किलें हल की जा सकती हैं। इसलिए यहाँ आसान भाषा में कानून से जुड़ी सबसे जरूरी जानकारीया दी जा रही हैं।

कार, बाइक या कोई वाहन चोरी हो जाए तो?
■ चोरी का पता चलने ही सबसे पहले 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को इस बारे में बताएं।
■ बाइक चोर करने की खरी जगह और आप किन्हीं दोर तक बाइक से दूर थे, वह समय बचाना बहुत जरूरी है।
■ उन घटो में अगर किसी ने अचानक बाइक से किन्हीं वारदात को अंजाम दिया जात है तो सबसे बाद में आपका बचाव होगा।
■ इसके तुरंत बाद पास के थाने में जाकर जानकारी दें, ताकि केस दर्ज हो सके।
■ कई बार पुलिस फाइल दर्ज होने में देरी होती है। अगर 112 नंबर पर कॉल किया जा चुका हो तो इससे केस मजबूत होगा। फाइल दर्ज होने में परेशानी नहीं होगी।
■ 112 नंबर पर आप कॉल को पुलिस रेकॉर्ड करती है। कॉल ब्रक में दर्ज भी करती है।
■ पुलिस जिस डॉक्यूमेंट में बचान रेकॉर्ड करती है उसे लाना ब्रक कहा जाता है और वह रेकॉर्ड में होता है। उस पर सॉनिंग अधिकारियों को भी नजर होती है। यह कानूनी कार्यवाही के लिए अहम डॉक्यूमेंट है।

अगर कोई मोबाइल या जूलरी झपट ले तो?

■ जेन स्टीफन हो या मोबाइल फोन छीन गया हो, सबसे पहले 112 नंबर पर कॉल करना चाहिए।
■ 112 नंबर से सुरुआत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचती है और वारदात के बारे में पूरी जानकारी लेती है।
■ इसके बाद ही पुलिस पास के थाने को वारदात के बारे में जानकारी देती है।
■ यहाँय अंतराध के मामलों में पुलिस कई बार फाइल दर्ज नहीं करती। ऐसे में 112 पर किचन गया कॉल काफी काम का होता है।
■ वारदात के 3 से 4 दिन बाद भी फाइल दर्ज होती है तो 112 पर किचन कॉल का रेकॉर्ड जरूरवाई में जरूर आता है।



हमें ऐसे भेजें अपने सवाल
यह कॉलम आपको कैसा लगा? अगर आप भी कानून से जुड़े किसी मसले पर जानकारी चाहते हैं या आपका कोई सवाल है तो हमें sundaynbt@timesofindia.com पर ईमेल कर या वॉट्सएप नंबर 89298-16941 पर मंगलवार तक भेज दें।

सर्दी के मौसम में सही तरीके से, सही चीजें और सही मात्रा में खा लें तो यह सिक्वोर्ड इन्वेस्टमेंट शरीर को अगली सर्दी तक फायदा देता है। इस मुद्दे पर आयुर्वेद और मॉडर्न मेडिसिन के एक्सपर्ट्स भी अमूमन एक ही राय रखते हैं। असल में सर्दियों में हमारे पेट की अग्नि यानी पाचनशक्ति बेहतरीन होती है। इन दिनों मिलने वाली कुछ खास चीजें हैं जिन्हें खाएं तो एक तरफ जहां खून की मात्रा बढ़ती है, दूसरी ओर इम्युनिटी भी पावरफुल होती है। इन दिनों कौन-सी सब्जी, कौन-सा फल खाना सबसे बढ़िया है? क्या-क्या जरूर खाएं? एक्सपर्ट्स से बातकर जानकारी दे रहे हैं **लोकेश के. भारती**

आयुर्वेद के मौलिक सिद्धांतों के अनुसार, ठंड में शरीर की सभी भागों की ओर ही रिमोट जाती है, जिससे हाइपोथैलिमस सिस्टम (पाचन तंत्र) ज्यादा एक्टिव हो जाता है और जठराग्नि (मुख लumen, भोजन पचाने और शरीर की ऊर्जा बनाने की शक्ति) बहुत तेज (प्रबल) हो जाती है। अगर यह अग्नि भोजन खाने के बाद भी सक्रिय न हो तो यह शरीर की धातुओं जैसे रस, रक्त और मांस को पचाने लगती है, जिससे शरीर में कमजोरी और घात ठंड की बढ़ोतरी होती है। इसलिए हेमंत ऋतुपंचम में ऐसे अहार के सेवन पर बल दिया गया है जो स्वभाव से सिन्धु (Oily) और मधुर (Sweet) रस प्रधान हो। हेमंत ऋतु की सर्बिद्ध इन पदार्थों को पूरा करने का कुदरती साधन है।

सर्दी की सत्ता

सर्दियों में खाने के कई विकल्प मौजूद होते हैं, लेकिन यहां सबसे खास चीजों के बारे में बातचा गया है। इनका उपयोग हर दिन या फिर हफ्ते में 4 से 5 दिन करने से शरीर संतुलित रहता है।

आंवला पाएं सेहत और स्वाद

पुरानी कहावत है कि जिस अन्न में अम्लों का पेट हो, उहा बेमारी निवास नहीं करती यानी हर दिन आंवले के सेवन से शरीर को बहुत फायदा होता है। यह प्राण तंत्र को सुदृढ़ करता है और इससे इम्युनिटी मजबूत होती है। यह विटामिन-C का सबसे बेहतर स्रोत भी है। इससे रिकन की परतों को दूर होती है। इसे आयुर्वेद में रसायन कहा गया है। यह रासायन का मतलब है जो बुढ़ाई को दूर करे और जखमी बरकरार रखे। इसके अलावा और भी कई फायदे हैं। जो सके तो इसके मुन्बे से बचना चाहिए क्योंकि उसमें खैरी होती है।

आंवला रोज 1 ही चम्मच: अगर हम हर दिन एक आंवला, एक बार में या कई बार में, कच्चा या मसका के साथ या फिर उबालकर खाए तो हमारे शरीर की हर दिन की विटामिन-C की जरूरत पूरी हो जाती है।

- कच्चा या उबला आंवला खाते लगे तो उसके साथ मसका (लेह बेहतर है) ले सकते हैं। इससे उसके टेस्ट बढ़ जाता है। अगर बीवी की परतों में ले मसका न लें।
- हम आंवले का अचार या कैदी खाते हैं तो भी हमें अम्लों में मौजूद कुल विटामिन-C का 60 से 70 फीसदी तक मिल जाता है।

घी को न करें मिस

आयुर्वेद में घी को सर्वांगीण सिन्धु कहा गया है। यह तेल (इसके असंगुलन से रिकन सुखी हो जाती है, पैरों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द रहता है, वजन कम होता है और नींद कम होती है) को संतुलित करने में सबसे असरदार माना जाता है। सर्दियों में वात दोष प्रभावित रूप से बढ़ता है, इसलिए घी शरीर को जल्दी सिन्धु, तब और पोषण देता है। घी जठराग्नि को संतुलित रखकर भोजन को ठीक तरह से पकाते हैं। रिकन, ज्वर, बम को म्यूटीशन देते हैं। काफ को न बढ़ाते हुए शरीर में ऊर्जा और बल का संचार करते हैं।

- सर्दियों में रोजाना एक-दो चम्मच देनी या घी की भोजन में शामिल करना काफी फायदेमंद है। हर दिन 1 से 2 चम्मच शुद्ध घी का सेवन फायदा सा सकता है।
- मिलेट्स खाते समय या दूसरे कार्ब (चावल, रोटी आदि) में अगर थोड़ी मात्रा में घी मिला दें तो इनका प्साइमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इससे ये जल्दी पचनी रिलीज नहीं करते और शरीर में फेरन ही शुभर लेवेल नहीं बढ़ता।

ड्राई फ्रूट्स और सीड्स का हो मेल

ड्राई फ्रूट्स ये कई विटामिन, मिनेरल्स और फाइबर के बेहतरीन स्रोत हैं। ये ज्यादातर उष्ण प्रकृति के होते हैं, इसलिए सर्दियों में खाते से ज्यादा फायदा होता है। अखरोट (2 से 3), बादाम (15 से 18), काजू (2 से 4), फिजियस (आधी से एक मुट्ठी), खजूर (2 से 3) आदि, इनमें से किसी 2 का चुनाव कर लें और हर दिन बचत-बचत कर खाएं। दरअसल, ये सभी सर्दियों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माने जाते हैं। इनके अलावा मेवा शरीर को बसा धातु को दुरु करवाते हैं। कमजोरी, जोड़ों के दर्द और सुखी को कम करती हैं। इनमें कुदरती रूप से तेल और प्रोटीन होते हैं जो शरीर को उष्मा प्रदान करते हैं। एक और बात का खयाल रखें कि बादाम को मिनीकर खाना या मगे की की तरह मिलाकर लुके के रूप में लेना अच्छा है।

ये सीड्स बढ़ा देंगे इम्युनिटी

पिस्त: इंग्लिश में इसे Sesame Seeds कहा है। पिस्त की अम्लित को समझो हल्दी ही हर साल 14 या 15 जनवरी को मकर संक्रांति या पिल खावती मनाया जाता है। पिस्त लोई काह के होते हैं, खाले और सफेद। ये शरीर में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के स्तर को बनाकर रखने में मदद करते हैं। यह शुक्र पेशाब के लिए फायदेमंद है। यह 1 से 2 लड्डू खा सकते हैं।

पेलस सीड्स: इसे अलसी, तीली के नाम से भी जाना जाता है। यह अन्न का अक्षा स्रोत है। वैजैटेरियन लोगों के लिए यह अमेना-3 फेटी एसिड का बेहतरीन स्रोत है। एक दिन में 1 से 2 चम्मच खा सकते हैं।

पिस्ता सीड्स: पिस्ता सीड्स को पनी में मिनीकर खाने के बहुत फायदे हैं। इसके फाइबर दूसरे सीड्स जितने सफेद नहीं होते। आध चम्मच ले सकते हैं।

पचिनी सीड्स: पचिनी जो कालीफल, पेटा, सीसाफल के नाम से मिलते हैं, इसकी सब्जी में केवल टेस्टी होती है बल्कि हेल्प के लिए भी अच्छी होती है। एक चौथाई या आध चम्मच ले सकते हैं।



सर्दी की हेल्दी सौगात

सर्दी का मौसम डाइट से अपने शरीर को मजबूत बनाने का मौसम है। सर्दियों में मिलने वाले कुछ फल और सब्जियां तो बेहद फायदेमंद होते हैं, जानते हैं इनके बारे में:

सीजन के गिफ्ट

यह मौसम हेल्दी खानेवाले के लिए है। ताकत, फल, सब्जी, अन्न, ड्राई फ्रूट्स, घी, तेल आदि खाने बेहद फायदेमंद है।

हर दिन 1 से 3 फल (अमरुद, संतरा, सेब) और 1 प्लेट सलाद (चुकंदर, गाजर, टमाटर, मूली) खाने से पाचन-पोषण सा सही रहता है।

हर दिन आधा से 1 आंवला खाने से विटामिन-C की कमी नहीं होती। धनिया पात्रे के रख घटने बनाकर खाना भी फायदेमंद है।

हर दिन के भोजन में गहरे रंग वाली सब्जी (लाल बंद गोभी, वाली या लाल गाजर, चुकंदर आदि) खाए तो ये रिकर, संतरा को बहुत भोते हैं।

शुद्ध देखें घी मिल जाए तो 1 से 2 चम्मच हर दिन सेवन करें। घी के अलावा अगर लहसुन खाते हैं तो इसे भी हर दिन शामिल करें।

काली मिर्च, छालपीनी, लीन व इसायायी उष्ण (गर्म) और सुगंधकारी होती हैं। गर्म शरीर की वजह से ये खून की गहिराई को संतुलित नहीं होने देते और बीवी को खरू करने मदद करती हैं।

मूली सरस्ती भी, अच्छी भी

अजकल मूली का भव कम ही रहता है। अमूमन 10 से 30 रुपये की मूली के हिसाब से यह मिल जाती है। लेकिन इसमें जुन भरपूर है।

- हमारे कई अंग और सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। मूली में भरपूर मात्रा में बीटर, फाइबर, विटामिन-C, फोलेट, पोटेशियम और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर को और से राख करने और पाचन बेहतर बनाने में भूमिका निभाते हैं।
- सबसे बड़ा फायदा हमारे हाइपोथैलिमस को होता है। मूली में मौजूद फाइबर कब्ज दूर करता है, रक्त कम करता है और पेट को हल्का रखता है।
- यह लिवर और मोलसोइड को भी हेल्प करती है। इसमें मौजूद प्लाज्मा बाइल बनाने में मददकर है।
- यह शरीर को हिटोक्स बनने में भी मददकर है। किडनी को भी मूली फायदा पहुंचाती है। यह हल्की डाइयूरेटिक (यूरिन बाहर निकालने में) सब्जी है।
- मूली खाने से डायर की परतों में भी अजवाबन, कला नमक आदि भी थोड़ी मात्रा में खा लें।
- यह दिल के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद पोटेशियम बीवी को कब्ज में रखने में मददकर है।
- वही, विटामिन-C की अछी मात्रा होने से मूली इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है। यह रिकन की जलन और एम को भी कम करती है।
- मूली को खराब के रूप में दूसरी सर्बिद्धों के साथ मिलाकर खाएं। गाजर, चुकंदर और मूली व टमाटर को मिलाकर बनने वाली सलाद खानकर है। वही, सलाद में पकी वाली प्याज को भी शामिल कर सकते हैं। इससे फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा मिलते हैं। ये सब्जियां लंबे समय तक एनर्जी देती हैं। ये फाइबर, बीटा-कैरोटीन (विटामिन A) और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं। ये खून की मात्रा बढ़ाने में भी मददकर है। हर दिन 1 प्लेट (300 से 400 ग्राम) सलाद खाएं या फिर जिन्हें सलाद पचाने में परेशानी हो वे इनका 1 लिस्स जूरी पी सकते हैं।

पालक बथुआ, मेथी हैं गुडलक

जहां पालक ले अरख है ही, इस मौसम में बथुआ, मेथी, सोया (कुछ जगहों पर सुआ बोला जाता है), सरसो साज और इनके अलावा भी कई तरह के साज मिलते हैं। ये सभी विटामिन, मिनेरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट के भंडार हैं। पालक समेत सभी साज में फोलेट नामक एंजा काब पाया जाता है जो शरीर में नई कोशिकाएं बनाने के साथ कोशिकाओं में मौजूद डीएनए की मरम्मत का भी काम करता है। फाइबर, अन्न, विटामिन-C शरीर को हर तरह से स्वस्थ बनाकर रखता है।

- ये अन्न, कैल्शियम, फोलेट, और विटामिन K, C, A के स्रोत हैं और खून बनाने में भी मददकर है। साथ ही साज इम्युनिटी में बढ़ाते हैं। मेथी खासतौर पर शुगर को सही रखने में मददकर है।
- मेथी और सरसो के साज रचना से उष्ण और कटु रस वाले होते हैं। शरीर को आंखीक माइल देते हैं और पाचन अग्नि को उर्जित करते हैं।

लहसुन की भी सुन लें

हर रोज़ान में खरू लहसुन। सर्दियों में रोजाना 2 से 4 कली और नॉर्मले में 1 से 2 काली खाना सही है। ऐसे ही खाएं लहसुन: लहसुन को बारीक काटकर या कात करके 10 मिनिट के लिए छोड़ दें, तब लहसुन में मौजूद एलिसिन प्रोडक्ट हो जाए। एलिसिन बनने में 10 मिनिट का बसा लहसुन है। इसी एलिसिन की वजह से लहसुन में औषधीय गुण भी होते हैं। काटकर या कात करके पोरन ही खा लेते या पका लेते तो एलिसिन बनने का वकत नहीं मिलेगा या थोड़ी मात्रा में बनेगा। वही पुराने लहसुन की तुलना में लहसुन को खाना ज्यादा फायदेमंद है। लहसुन खट्टा या मीठा-खट्टा (यह हमारे मुंह फलता के लिए भोजन है) भी है। लहसुन की छोटी (दोरी लहसुन) कली में एलिसिन (ग्लायसिल कायोट) की मात्रा कुछ ज्यादा होती है। ये भुख बढ़ाने वाले और भोजन पचाने वाले होते हैं।

एक्सपर्ट पैनल

 डॉ. ए.के. सनील डाइयेटर, ILBS	 डॉ. महेता दत्त डीएनटीडी और अंगुद
 डॉ. आर. पी. फारमर डाइटेरिअल अंगुद	 डॉ. सी. सी. दास डाइटेरिअल
 डॉ. आलोक शर्मा डाइटेरिअल	 डॉ. आनंद घोष मुखा विद्विषाक, मन अंगुदिक चिकित्सक

फल जरूर खाएं

इस मौसम में कई तरह के फल मिलते हैं। मसलन: अमरुद, संतरा, सेब, कौनू, अनार आदि। इनमें से हर दिन कोई एक फल भी खा लें तो कई परतों में फल हो जाएंगे। अमरुद और सेब तो ऐसे फल हैं जिन्हें सुख खाती पेट भी खा सकती हैं। इनके अलावा आंवला, खरबूत (कास्टनट), पेलस, भी काफी फायदेमंद हैं।

कौनू, मादा और संतरा में क्या फर्क? अन्नर लीन कौनू, मादा और संतरा में फल नहीं कर पाते। जहां तक खाने के बाद मिलने वाले पोषण की बात है तो तीनों फलों में कोई खास फर्क नहीं होता। संतरा और मादा जहां कुदरती फल है यानी इन्हें कुदरत ने खुद विकसित किया है, वहीं कौनू का विकास अमरीका के कैलिफोर्निया में 1935 में किया गया था। इसी वजह से कौनू में मिश्रण से बनाया गया है। बाद में यह पलायन, हरियाण जैसे राज्यों में उपजाए जाने लगे।

कौनू खाना चाहिए: ये तीनों फल विटामिन-C, एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर के बेहतरीन स्रोत हैं। इम्युनिटी की मजबूती की बात हो या फिर शरीर में होमोस्टैसिस के उपकरण को, ऐसे कई कामों के लिए ये बेहतरीन विकल्प हैं।

संतरा

- यह कौनू और मादा की तुलना में ज्यादा मीठा और सुगंधित होता है।
- शिखर मादा और आंवले को फल जितना मुलायम नहीं। शिखर का हवा खुरदरा होता है। रक्त बहाव पीसा-नारी या हस्त। यह हमारे पेटा-नारी का हस्त। फल सुगंध।
- इसकी सुगंध बहुत पसंद की जाती है।

कौनू

- इसमें रस बहुत ज्यादा होता है। रस घमकील नहीं होता है।
- शिखर मादा और आंवले को फल जितना मुलायम नहीं। शिखर का हवा खुरदरा होता है। रक्त बहाव पीसा-नारी या हस्त। यह हमारे पेटा-नारी का हस्त। फल सुगंध।
- इसकी सुगंध बहुत पसंद की जाती है।

मादा

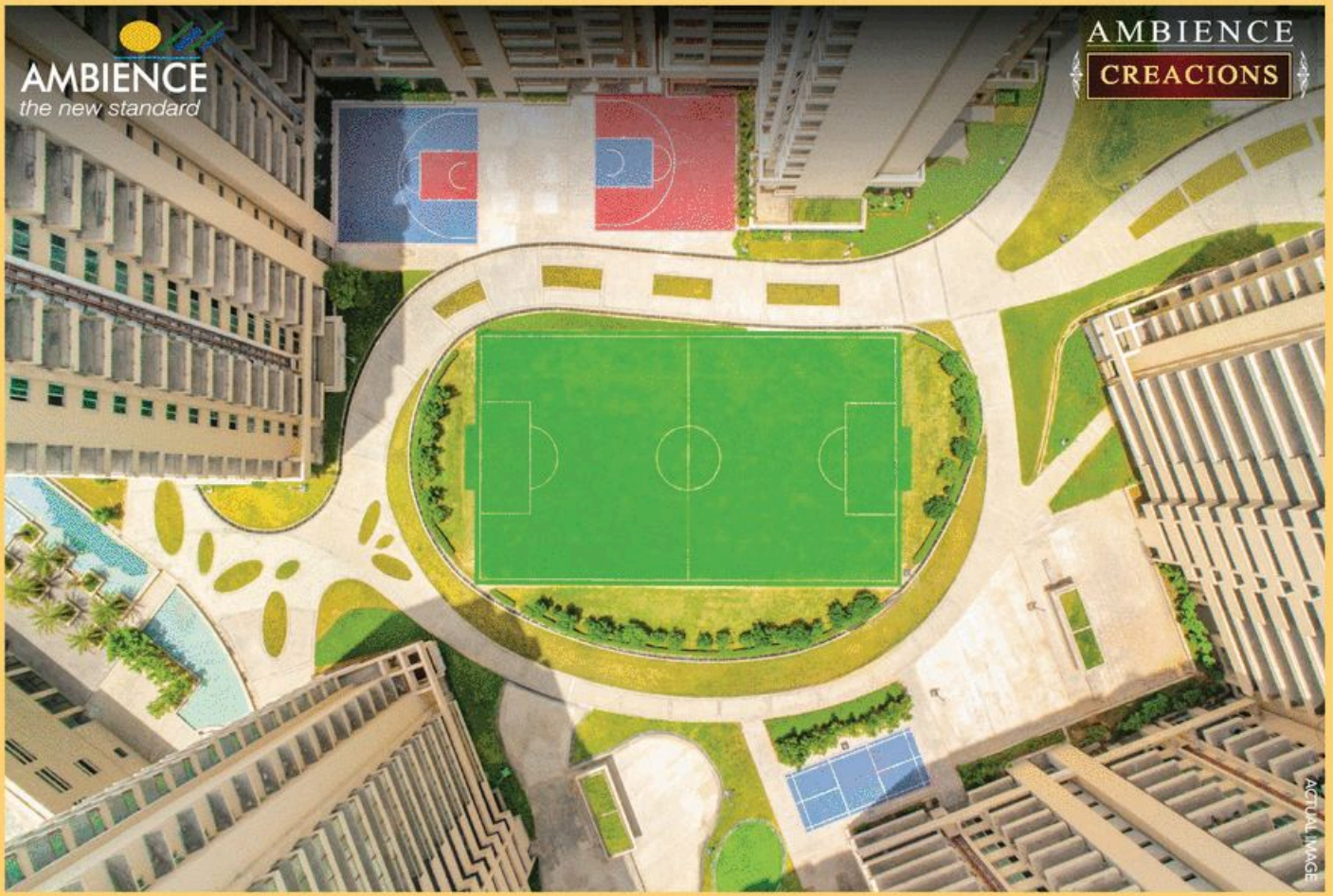
- सारे की तुलना में शिखर मादा और खुरदरा होता है। इसकी छीलन थोड़ा मुश्किल होता है। अमरुद रस मकर होता है। यह नारी-जाल हो सकता है।
- यह खुरदरा और मीठा, दोनों रसवा देता है।
- यह भी रसवा होता है लेकिन कौनू जितना नहीं।

संडे नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/एनसीआर

ChabGPT के अनुसार, अटॉमेटिक का अर्थ है मुख्य अवधारणा पर टिका है- मनुष्य वैज्ञानिक विचार और पर्यावरण संरक्षण। यह महापुरुष स्वावलंबी और समुद्र के स्तर पर बर्फ पिघलने के अहम को समझने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिकों का केंद्र बना रहेगा। कुछ दशकों में साठव घोल पर पर्यटन तेजी से बढ़ा है, जिससे पर्यावरण और वन्यजीवी की अस्वास्थ्य का खतरा बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था में पर्यटन नवविधिविध को नियंत्रित करने के लिए एक नम्र नियम लागू किए जायेंगे।

All image

AUTHORISED DEALERSHIPS **CENTRAL DELHI:** Ring Road Honda Connaught Place - 9891945042, **EAST DELHI:** Iconic Honda Patparganj - 9289063907, 7065008205, **NORTH DELHI:** Courtesy Honda Wazirpur - 9910995836, 9717993611, **Cherish Honda Rohini** - 8255008008, **SOUTH DELHI:** Crown Honda Mathura Road - 7428496141, 7428496142, **West Delhi:** Crown Honda Okhla - 9711424928, 7220042391, **Samara Honda Lajpat Nagar** - 4146555111, 8826143300, **WEST DELHI:** Samara Honda Mayapuri - 4145566565, 9717556161, **Ring Road Honda:** Peeragarhi - 9910035789, 4145520000, **Mot Nagar** - 9913322218, 9919936447, **Dwarka** - 9211929996, 9913323148, **GURUGRAM:** Ring Road Honda MG Road - 8860634325, 9643320311, **SECTOR DELHI - 8376906990, 9433359371, Frontier Honda Sohna Road** - 8657588907, 9999000768, **Iconic Honda** - 9758232312, 8592960027, **NOIDA:** Ace Honda Sector 11, Noida - 4120-4000440, 9996973620, **Crown Honda Sector 63, Gurgaon** - 0120-4700470, 7428390592, **GHAZIABAD:** Classic Honda Main Mathura Road - 7028949707, 7428390592, **GHAZIABAD:** Crown Honda Vaishali - 9918002286, 4120-0436300, **Ghaziabad** - 9599293870, **REWARI:** Pace Honda - 8222993131, **BHIWADI:** Landmark Honda - 7574826574, **SONIPAT:** Malwa Honda - 9467800912, 9467800902, **HAPUR:** Plain Honda - 7089191111, **MEERUT:** Planet Honda - 7089891111.



3/4 BHK APARTMENTS & PENTHOUSES
STARTING FROM ₹5.95 CR* 9717003006

FULLY-FITTED HOMES WITH ULTRA-LUXURY SPECIFICATIONS:

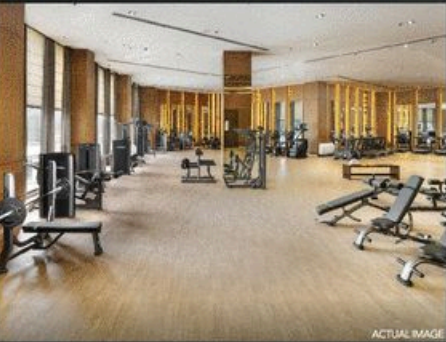
-  65% open area
-  Sprawling club house
-  Customizable payment plan

Vicinity Features:

- * In the vicinity of Ambience Mall, The Leela Ambience Hotel, Cyber City, IGI Airport, Park/Manipal Hospital, Northcap University, Fun n Food Village SEZ & Tau Devi Lal Smriti Udhayan-One of the largest parks in Gurugram.
- * Corporates like Sapient, Aricent, Interglobe, Indigo, NIIT, RBS, Cognizant, Genpact, TCS, Ciena Corp. USA, Hughes, Polaris, Wipro Ltd., AVL, HCL technologies.

Visit us at :  <http://www.linkedin.com/company/ambiencegroup/>  www.facebook.com/ambiencegroup  www.x.com/ambiencegroupin
 https://www.instagram.com/ambiencegroup_in?igsh=aTUXYmVjcjl3cHNu

Home loan available from leading banks



GYMNASIUM



PICKLEBALL COURT



RECEPTION

Ambience Group: L-4 Green Park Extension, New Delhi-110016. Email:sales@ambiencecreacions.com | www.ambiencecreacions.com

Disclaimer: The Ambience Creations project, for which the OC has been received, offers configurations of 2/3/4 BHK apartments and penthouses, is being constructed in a residential plotted colony (Haryana RERA Number 318 of 2017 dated 17.10.2017 - Registered by AMBIENCE PROJECTS AND INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED) measuring about 14.819 acres and the building plans approved vide Memo No. 29-8645/2016/28300 dated 29.12.16 and is situated in Sector 22, Gurugram in the Revenue Estate of Village Mullahera, Tehsil Gurugram, District Gurugram, State Haryana. The image shown in this advertisement is to give an idea of manner of utilisation of the constructed space and is not a legally enforceable offering, moveable items shown are not part of the offering, travel time given is subjective, estimated and based on completion of work. The provision of social infrastructure and other amenities will be as per approved plans and at designated areas, and community facilities are owned and managed by the company / nominated agency and are likely to become functional subject to the occupancy of the entire project under license. This advertisement is not a legal offering and does not form a part of any agreement or legal binding on the part of the company. The price mentioned is subject to change without notice. *T&C Apply. Pricing is indicative in nature. Loan arrangement from leading banks is subject to eligibility. 1 acre = 4046.873 square metres, 1 square metre = 10.76 square feet. CIN: U0710102010NPIC209128. For more information please visit Haryana Rera Website: https://haryanarera.gov.in/admincontrol/registerd_projects2

Haryana RERA Number 318 of 2017 | www.haryanarera.gov.in

*T&C APPLIED



RERA REGISTRATION NO.: P52900054767
Developer: Domilis Estate LLP | Project: Yoganand
www.maharera.maharashtra.gov.in

LOTS NEAR MOPA INTERNATIONAL AIRPORT NORTH GOA

INVITE APPLICATIONS FOR FREEHOLD RESIDENTIAL PLOTS

(UNDER AFFORDABLE RESIDENTIAL PLOTTING SCHEME & MAHARASHTRA
TOURISM POLICY 2024, GOVERNMENT OF MAHARASHTRA)

PROJECT NAMELY YOG ANAND

DODAMARG, GOA-MAHARASHTRA BORDER

Pay Rs. 21,000/- for Registration

Amount is Refundable in case of non Allocation



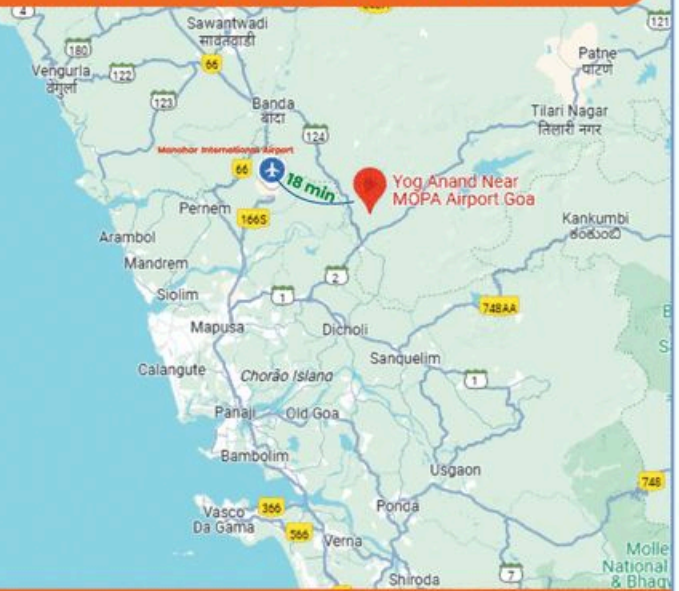
33% महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए आरक्षित
पंजीकरण के लिए मात्र 51 प्लॉट ही उपलब्ध

IMPORTANT DATES

Last Date of Registration
14th December 2025
Register before scheme ends*

Plot Allotment Date
16th December 2025

Arabian Sea



33% RESERVED FOR WOMEN AND GOVERNMENT EMPLOYEES
ONLY 30 PLOTS AVAILABLE FOR REGISTRATION

Plot Size (Sq. Yd.)	Plot Size (Sq. Mtr.)	Rate Per Sq. Yd.	Registration Amount	10% Within 7 Days	40% Within 30 Days	50% On Possession	Total Cost
358.8	300	₹ 27,000	₹ 21,000	₹ 9,47,760	₹ 38,75,040	₹ 48,43,800	₹ 96,87,600

Nearby Development

* Any other charges levied by the Govt. extra



Advantages

- 103 Acres Gated Township
- Mopa, Dabolim, Chipi, Belgaum Airport Nearby
- Surrounded By Magnificent Mountains, Beautiful Stream
- Thivim, Karmali, Kudal, Pernem Railway Station Nearby

- Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC) Aadali at 10 Km from the site
- Mapusa (Goa), Banda, Maharashtra, Panaji, Goa, Sawantwadi, Maharashtra, Belgaum, Karnataka, All North Goa Industrial Belt

Amenities



Gated Community



3-Tier Security



Club Resort



shopping Complex



Temple



Playgrounds



Fresh Water Supply



Swimming Pool



Badminton Court



Gym Equipments

For Online Registration

www.plotsonlineregistration.com

HELPLINE No. +91-78381 06999



SCAN TO REGISTER



GROUP HOUSING POLICY

UNDER HARYANA DEVELOPMENT AND REGULATION OF URBAN AREAS ACT 1975

APPLICATIONS INVITED FOR **HIGH RISE APARTMENTS** AT SECTOR-95, DWARKA EXPRESSWAY, GURUGRAM

RC/REP/HARERA/GGM/936/668/2025/39
https://haryanarera.gov.in/



Promoter : JMS Infra Reality Pvt. Ltd.
Project: JMS Group Silver Living



**LOAN AVAILABLE
UPTO 75%**

**REGISTRATION AMOUNT
₹21,000**

**3 BHK @
₹1.57cr**

BANG ON DWARKA EXPRESSWAY

**Important
Dates:**

REGISTER TODAY

**आवंटन तिथि (Unit Allocation Starts From)
WEDNESDAY, 17TH December 2025**

S.No.	Floors	Area in (Sq. Ft.)	Area in (Sq. Mtr.)	On Allotment	10% Within 5 Days	15% Within 30 Days after BBA	75% as per CLP Plan	Total Cost
1	20th-22nd	1410	130.9933	₹ 500,000.00	₹ 1,073,842.00	₹ 2,360,763.00	₹ 11,803,815.00	₹ 15,738,420.00
2	28th-29th	1410	130.9933	₹ 500,000.00	₹ 1,073,842.00	₹ 2,360,763.00	₹ 11,803,815.00	₹ 15,738,420.00
3	3rd-4th	1559	144.8358	₹ 500,000.00	₹ 1,271,335.80	₹ 2,657,003.70	₹ 13,285,018.50	₹ 17,713,358.00
4	13th-30th	1559	144.8358	₹ 500,000.00	₹ 1,240,155.80	₹ 2,610,233.70	₹ 13,051,168.50	₹ 17,401,558.00

**BBA to be executed after successful Allocation | GST and Possession Charges as Applicable

AMENITIES *

*Artistic Impression



Terrace Café



Indoor Sports Zone



Swimming Pool



Fitness & Wellness



Multipurpose Hall



Doorstep Delivery



Attendant on Call

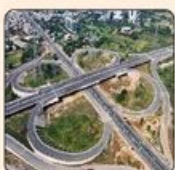


Senior Living



Medical Support

IN CLOSE PROXIMITY TO



Dwarka Expressway



IMT Manesar



Reputed Schools



Hospitals



Railway Station



Shopping Mall



Metro Station



Airport

Registration Amount is Refundable for Unsuccessful Applicants

Scan with Google
Lens & Register



Bank Loan Available :
For Online Registration :

www.haryanagrouphousing.org



Helpline No.:

+91-73773 78558

70x70 (Single Size) 8,500 70x70 (Double Size) 15,000
 Remembrance (30 Size)
REMEMBRANCE
 SHARING MEMORIES
 For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727



दीन दयाल जन
आवास योजना

दीन दयाल जन आवास योजना

APPLICATIONS INVITED FOR **COMMERCIAL SHOPS AT SECTOR-95, DWARKA EXPRESSWAY, GURUGRAM**

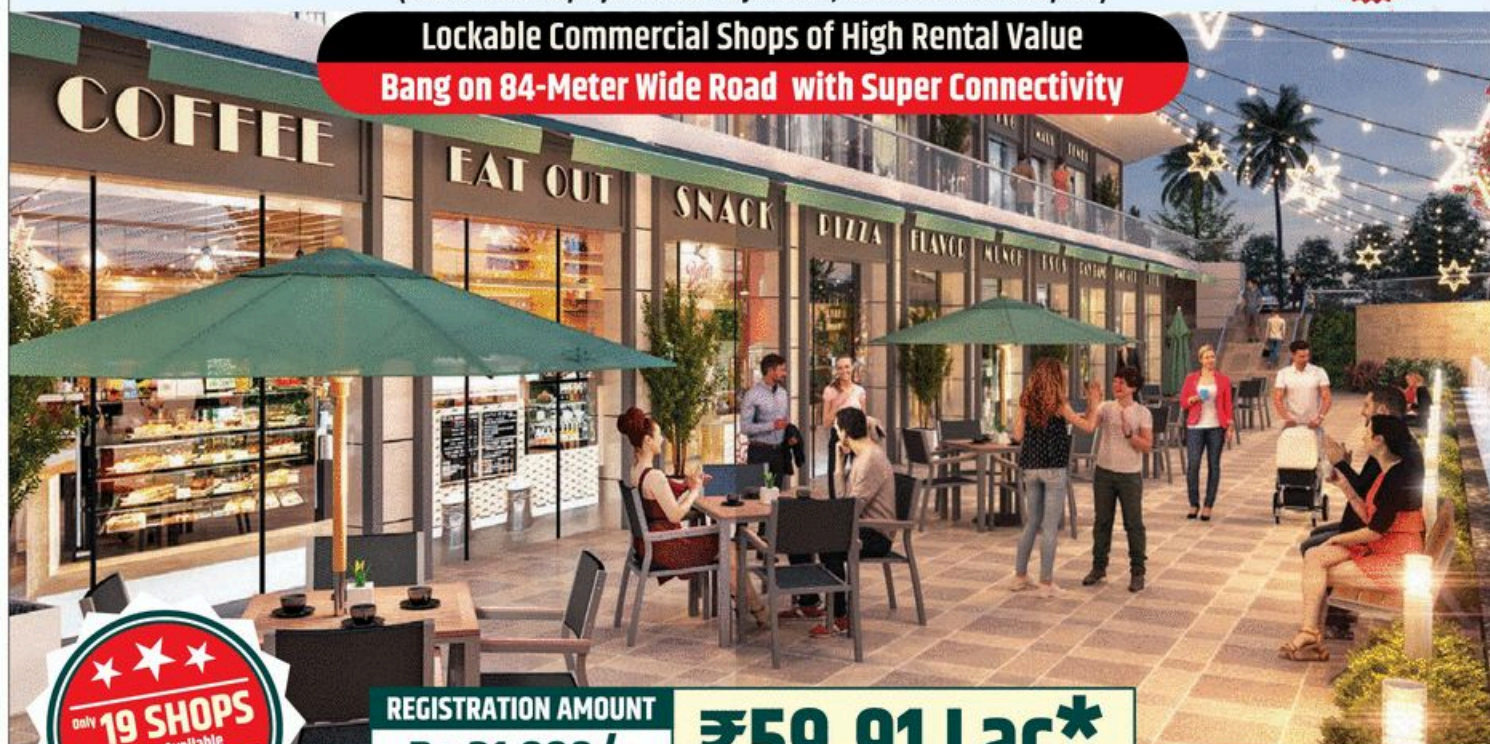
(Under Deen Dayal Jan Awas Yojna 2016, Government of Haryana)

REGISTRATION NO. 82 OF 2024
REG/NEP/HARERA/CGM/015/001/2024/02
UNIQUE NO. GENERATED ONLINE
DATE: 02.08.2024
REBA-CGC-PHQ-1626-2024



Lockable Commercial Shops of High Rental Value

Bang on 84-Meter Wide Road with Super Connectivity



REGISTRATION AMOUNT

Rs.21,000/-

₹59.91 Lac* onwards

Commercial Shops at Sec-95

Dwarka Expressway, Gurugram

General Category

Floor	Area In sq. ft.	Area In sq. mtr.	Units	Registration Amount (Refundable)	10% by (21/12/2025)	40% by (21/01/2026)	50% by As per CLP	Total* Cost
1st Floor	323	15.0038	7	Rs. 21,100	Rs. 6,15,315	Rs. 24,61,260	Rs. 30,76,575	Rs. 61,53,150
1st Floor	438	20.3458	10	Rs. 21,100	Rs. 8,34,390	Rs. 33,37,560	Rs. 41,71,950	Rs. 83,43,900
1st Floor	489	22.7148	2	Rs. 21,100	Rs. 9,31,545	Rs. 37,26,180	Rs. 46,57,725	Rs. 93,15,450

Reserved Category (Women Empowerment, Sports Quota, Govt. Employee, Divyaang, Army)

*EDC/IDC @1350/- PSF Inclusive In Price | PLC as Applicable | 12% GST Applicable | BBA to be executed

Floor	Area In sq. ft.	Area In sq. mtr.	Units	Registration Amount (Refundable)	10% by (21/12/2025)	40% by (21/01/2026)	50% by As per CLP	Total* Cost
1st Floor	323	15.0038	7	Rs. 21,100	Rs. 5,99,165	Rs. 23,96,660	Rs. 29,95,825	Rs. 59,91,650
1st Floor	438	20.3458	10	Rs. 21,100	Rs. 8,12,490	Rs. 32,49,960	Rs. 40,62,450	Rs. 81,24,900
1st Floor	489	22.7148	2	Rs. 21,100	Rs. 9,07,095	Rs. 36,28,380	Rs. 45,35,475	Rs. 90,70,950

*EDC/IDC @1350/- PSF Inclusive In Price | PLC as Applicable | 12% GST Applicable | BBA to be executed

आवेदन की अंतिम तारीख

Important Dates:

Today is the Last Date to Register

आवंटन तिथि

Thursday, 18th Dec 2025

5 Min from Dwarka Expressway | 12km to KMP Expressway | Excellent Connectivity via NH-48 | Hassle Free Shopping



Food Court



Retail Shop



Super Market

अगर आपका आवेदन असफल रहता है तो Registration Amount Refundable है

सभी बैंक से Loan Available

IGI Airport से 15 Min की दूरी पर

High Footfall Retail Shop

20,000+ Families within 5km radius

RERA Approved DDJAY Shops

Bank Loan
Available :



SCAN TO
REGISTER



HELPLINE NUMBER

+91-7982701310

FOR ONLINE REGISTRATION

WWW.DEENDAYALAWAASYOJNA.COM

Disclaimer: Promoter urges every applicant to inspect the project site and shall not merely rely upon any architectural impression, plan, sales, brochure, advertisements, representations, statements of whatsoever nature and, therefore, requests to make personal judgement prior to submitting an application for allotment. unless otherwise stated, all the images, visuals materials and information contained herein are purely creative/artistic and may not be actual representation of the product and/or any amenities. Further, the actual design may vary in the fit and finished form, from the one displayed above. 99 meter road 6 88 meter Corner Location is proposed as per master plan approved by Government of Haryana. All the shops are height is 22 feet. Journey time shown, if any, is based upon Google Maps which may vary as per the traffic at a relevant point of time. Rate mentioned above does not include GST and other statutory charges, if applicable. T & C Apply. 1sq.mt. = 10.7639 sq.ft. BBA to be executed.

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in